International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 08 August- 2022
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

21वी सदी में : भारत–नेपाल आर्थिक संबंध

डॉ. अनिल कुमार सरोवा

सहायक आचार्य राजनीति विज्ञान

राजकीय कला महाविद्यालय, सीकर

एक देश की आर्थिक परिस्थितियाँ अन्य देशों को प्रभावित करती हैं और इन्ही कारणों से अर्न्तराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों का निर्माण होता है। दो पड़ोसी देशों के सामाजिक राजनैतिक संबंधों के कारणों में आर्थिक तत्त्वों का विशेष महत्व होता है। यदि हम स्वतत्र भारत और नेपाल की विदेश नीतियों के सन्दर्भ में आर्थिक तत्व पर दृष्टिपात करें तो हम देखेंगे कि विगत 65 वर्षों में दोनों देशों की विदेश नीतियों के निर्धारण में इस तत्व का भारी योगदान रहा है।

एक स्थलबद्ध राष्ट्र के रूप में नेपाल सदैव अपनी आर्थिक आवश्यकताओं के लिए भारत पर निर्भर रहा है। नेपाल के प्रति भारत की यह भूमिका नयी नहीं थी, बल्कि स्वतंत्रता पूर्व के नेपाली शासको द्वारा भी अपनी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति भारत के माध्यम से की जाती रही। दोनों राष्ट्रों के संबंधों में आए विभिन्न उतार चढ़ाओं का आर्थिक सम्बन्धों में भी असर देखने को मिलता है। स्वाभाविक है कि दोनो राष्ट्रों के आपसी संबंधों का विवेचन आर्थिक आयामों विशेषकर व्यापार एवं पारगमन की शर्तों के उल्लेख के बिना एकांकी प्रतीत होता है। 21वीं सदी भारत नेपाल आर्थिक सम्बन्धों पर माओवादियों की हिंसा की गहरी छाप रही तथा यह आशा की जाती रही कि द्विपक्षीय आर्थिक सम्बन्धों में सुधार तभी सम्भव हो सकेगा, जब माओवादी हिंसा के रास्तों को त्यागकर मुख्य धारा से जुड़ेगें, क्योंकि हिंसा ग्रस्त राष्ट्र का विकास सम्भव नहीं हो सकता।

नयो संविधान सभा के गठन के बाद नेपाल का आधारभूत ढांचा ही परिवर्तित हो गया। नेपाल लोकतांत्रिक, गणराज्य तथा धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र हो गया। नेपाल में यह नया परिवर्तन न केवल भारत के लिए वरन् सम्पूर्ण दक्षिण एशिया के लिए शुभ संकेत था, क्योंकि इसके माध्यम से सार्क संगठन के सभी सदस्य राष्ट्र पारस्परिक, राजनीतिक एवं आर्थिक सम्बन्धों को और अधिक मजबूती प्रदान कर सकेंगे।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 08 August- 2022
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

नेपाल का गतिशील व्यापार कोलकाता/हलदिया के बंदरगाहों के मार्गों के द्वारा तथा कोलकाता और भारत नेपाल सीमा के बीच 15 प्रतिष्ठित गतिशील मार्गों से होकर जाता है। बांग्लादेश के लिए नेपाल का व्यापारिक यातायात भी भारत से होकर ही गति करता है। नेपाल की स्थलबद्ध स्थिति को देखते हुए भारत ने नेपाल के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया। भारत को आशा है कि प्रस्तावित संधि स्वीकृत बिंदुओं को प्रोत्साहित करने से निवेश और रोजगार बढ़ने का वातावरण पैदा करेगी। 2008–09 के दौरान भारत–नेपाल व्यापार करीब 186 करोड़ डालर का था। जिसे बढ़कर 3 अरब डालर हो जाने की उम्मीद है। नेपाल से भारत को मुख्य निर्यात है– वनस्पति घी, सूत, कपड़े, जीआई शीट तार, जूस, कोरे और कुछ रसायन आदि। नेपाल अपनी सभी आवश्यकताओं के लिए भारत पर निर्भर करता है जैसे चावल, दवाएं पेट्रोलियम उत्पाद, संरचनागत वस्तुएँ जैसे इस्पात, सीमेंट, परिवहन वाहन, पुर्जे, मशीनें, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक सामान और कृषि यंत्र आदि।

तालिका –I भारत – नेपाल आयात निर्यात की वर्तमान स्थिति

वित्तीय वर्ष	भारत से नेपाल को निर्यात	प्रतिशत बदलाव	भारत द्वारा नेपाल से आयात	प्रतिशत बदलाव	कुल व्यापार	प्रतिशत बदलाव
2016–17	5453.59	–	445.13	–	5898.72	–
2017–18	6612.96	21.26	438.38	–1.52	7051.34	19.54
2018–19	7766.20	17.44	508.14	15.91	8274.34	17.34
2019–20	7160.35	–7.80	711.61	40.04	7871.95	–4.86
2020–21	6765.93	–5.51	670.33	–5.80	7436.26	–5.53

स्त्रोतः DGFT, भारत सरकार

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 08 August- 2022
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

भारत व नेपाल के संबंधों के बीच यदि आयात निर्यात की वर्तमान स्थिति को देखे तो पिछले 5 वर्षो में इनके मध्य द्वीपक्षीय व्यापार 2016 में 5898.72 मिलियन यू.एस. डॉलर से बढकर 2020–21 में 7436.26 मिलियन यू.एस.डॉलर पहुच गया परन्तु इस अवधि में शुरू में इसमें अच्छी वृद्वि तथा अन्तिम दो वित्तीय वर्षो में कमी देखी गयी है। जिसे उपरोक्त तालिका में दर्शाया गया है। भारत नेपाल व्यापार में भारत का पलड़ा भारी है। औसतन भारत द्वारा नेपाल से आयात का लगभग दस गुणा भारत नेपाल को निर्यात करता है। अतः व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। सन 2016–17 में भारत द्वारा नेपाल को निर्यात को देखे तो यह आकड़ा 5053.59 मिलियन यू.एस.डॉलर है एवं इसी वित्तीय वर्ष में भारत द्वारा नेपाल से आयात मात्र 445.13 मिलियन यू.एस.डॉलर देखा गया है। पिछले पांच वित्तीय वर्षो से नेपाल को निर्यात का आकडा बढकर 6765.93 मिलियन यू.एस.डॉलर पर पहुच गया। इस कुल वृद्धि के बावजूद भी यह ध्यान देना आवश्यक है कि पिछले पांच वर्षो में शुरूआती काल में इसमें अच्छी वृद्धि आंकी गयी परन्तु अंतिम दो वित्तीय वर्षो में इसमें ऋणात्मक वृद्धि देखी गयी। ठीक इसी प्रकार भारत द्वारा नेपाल से आयात भी पिछले पांच वर्षो में 445.13 मिलियन यू.एस.डॉलर से बढकर 670.33 मिलियन यू.एस.डॉलर पहुच गया है। परन्तु अलग–अलग वित्तीय वर्षो में इसमें जबरदस्त उतार चढाव देखे गये है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि भारत व नेपाल के मध्य अन्तराष्ट्रीय व्यापार की स्थिति में इन देशों के मध्य अन्तराष्ट्रीय सम्बन्धों के साथ साथ कोरोना महामारी का प्रभाव भी परिलक्षित होता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 08 August- 2022
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका – II

सहायता क्षेत्र	सहायता राशि (भारतीय मुद्रा)	प्रयुक्त सहायता का प्रतिशत
पथ एवं वायुयान क्षेत्र	46.55 करोड़	53
डाक एवं तार	0.93 करोड़	1
सिंचाई, विद्युत व जलापूर्ति	29.32 करोड़	33
कृषि, बागवानी, पशुपालन व वन	1.07 करोड़	1
सामुदायिक व पंचायत विकास	3.43 करोड़	4
शिक्षा और स्वास्थ्य	0.73 करोड़	0.05
उद्योग	0.49 करोड़	0.05
अन्य योजनाएं	6.06 करोड़	7

स्त्रोत :– वार्षिक रिपोर्ट, गृह मंत्रालय (2005–2010)

भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार और विदेशी निवेश का स्रोत है। भारत नेपाल के लिए सबसे बड़ा गति प्रदान करने वाला राष्ट्र है। भारत का नेपाल के साथ सदैव सकारात्मक व्यापार सन्तुलन रहा है। भारत– नेपाल को आयात की अपेक्षा उसे

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 08 August- 2022
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

निर्यात ज्यादा करता है। इसके विपरीत नेपाल ने भारत के साथ सदैव ऋणात्मक व्यापार सन्तुलन का सामना किया।

भारत नेपाल सरकार के विकास प्रयासों में मूलभूत ढांचा स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण एंव समुदाय विकास इत्यादि जैसे विभिन्न क्षेत्रों की विकास परियोजनाओं को अपने हाथ में लेकर सहायता प्रदान कर योगदान करता है। वर्ष 2009–10 में नेपाल को सहायता के अन्तर्गत प्रदान की गई सहायता की राशि का बजट 150 करोड़ से अधिक का था। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने नेपाल में चल रही शान्ति प्रक्रिया के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता प्रदान की हैं। स्थानीय जनंसख्या द्वारा चिन्हित किये गये क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर भारत के राजदूतावास द्वारा विकास सहायता लघु विकास परियोजना स्कीम के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। भारत द्वारा नेपाल को प्रदान की जा रही सहायता की कुल राशि लगभग 3600 करोड़ रूपये ह जिसमें भारत के राजदूतावास द्वारा छोटी विकास परियोजनाओं में मूलभूत स्तर पर स्थानीय जनता के साथ चिंहित किये गये क्षेत्रों की योजनाओं को प्रदान की गयी विकास सहायता सम्मिलित है। इसमें अब 370 से अधिक परियोजनायें आती है। जिसमें लगभग 420 करोड़ रूपये लग रह हैं। नेपाल में मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण के लिए किये जा रहे प्रयासों में भारतीय सहायता के एक हिस्से के रूप में 1500 से अधिक छात्रवृतियां नेपाली छात्रों को प्रतिवर्ष भारत और नेपाल में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन प्राप्त करने के लिए प्रदान की जा रही ह।

भारत लगातार नेपाल का विशालतम व्यापार भागीदार, विशालतम विदेशी निवेश एवं पर्यटक आगमन का स्त्रोत बना हुआ हैं। 1996 में व्यापार संधि पर हुए हस्ताक्षर के समय से ही भारत–नेपाल द्विपक्षीय व्यापार में पर्याप्त वृद्धि हुई है और संशोधित व्यापार संधि 2009 पर हस्ताक्षर के बाद नेपाल को भारतीय बाजारों तक व्यापक रूप से पहुंचने की अनुमति का प्रावधान है। नेपाली राजस्व जुलाई 2010 के आंकड़ों के अनुसार भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार 16129.7 करोड़ रूपये पर खड़ा है, जो नेपाल के कुल विदेश व्यापार का 58.7 प्रतिशत है।

आज के दौर में जहां भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है, जो कि पड़ोस पहले की नीति पर चलते है। भूटान के बाद उनकी दूसरी विदेश यात्रा नेपाल की ही थी। इन

हिमालयी देशों के प्रति मोदी सरकार का स्नेहिल रवैया रहा है। वर्तमान में नेपाल के प्रधानमंत्री देश की राजनीति का पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे है। अच्छी बात यह है कि उन्होनें मधेशियों की मांगों को मानकर उन्हें संविधान में संशोधन कर डालने की सहमति जताई है। यदि नेपाल का संविधान समावेशी रहेगा तो जन सहभागिता बढ़ेगी, लोकतंत्र मजबूत होगा और नेपाल विकास की ओर अग्रसर होगा, इसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ भारत और संपूर्ण दक्षिण एशिया क्षेत्र को होगा

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. गौतम शिव दयाल : भारत एवं विश्व राजनीति, सुमिता प्रकाशन, इन्दौर, 1990, पृ. 4
2. गोपाल लल्लन : स्टडी इन हिस्ट्री एडं कल्चर इन नेपाल, भारतीय प्रकाशन, वाराणसी, 1977, पृ. 23
3. सुशीला त्यागी : इण्डो नेपालिज रिलेशंस 1858–1914, डी.के. पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1974, पृ. 36
4. रजनी कोठारी : स्टेट एण्ड नेशन विल्डिंग थर्ड वर्ल्ड पर्सपेक्टिव, अलाइड पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2001, पृ. 13
5. लोकराज बराल : लीडरशिप इन नेपाल, एड्रोइट पब्लिशर्स, दिल्ली, 2001, पृ. 8
6. आई.डी.मिश्रा : सिस्टमिक स्ट्रेन्स एण्ड पॉलिटिक्स डवलपमेंट इन नेपाल, विजयश्री पब्लिकेशन, वाराणसी, 1985, पृ. 129
7. शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय : ट्रिस्ट विथ डिप्लोमैसी, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1998, पृ. 171
8. एस कुमार : ईयर बुक ऑन इण्डियाज फॉरेन पॉलिसी, सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 1988, पृ. 29
9. एन. जयपाल : इंडिया एण्ड हर नेवर्स, अटलांटिक पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2000, पृ. 74
10. एस.डी.मुनि : इण्डिया एण्ड नेपाल : ए चेन्जिंग रिलेशनशिप, न्यू देहली, 1992, पृ. 165

11. सभाचंद्रन शास्त्री : स्टेट ऑफ नेपाल, हिमालय बुक्स, ललितपुर, 2004, पृ. 209
12. मदरलैण्ड वीकली, काठमांडू, 10 नवं. 1991
13. प्रेम निवास पांडे : मेकिंग ऑफ मॉडर्न नेपाल, निराला पब्लिकेशन, 1997, पृ. 29
14. गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया, मिनिस्ट्री ऑफ इनफोरमेशन एण्ड ब्रांडकास्टिंग एनुअल रिपोर्ट–1997, पृ. 273
15. संजय शर्मा : भारत–नेपाल संबंधों का बदलता स्वरूप, राजस्थान पत्रिका, मई–1997
16. वार्षिक रिपोर्ट, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, 2009–2010
17. टाईम्स ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली, 3 जून 2015
18. दैनिक जागरण, 10 सितम्बर 2015
19. इण्डिया टूडे, न्यू देहली, 16 अक्टूबर 2015
20. गोरखा पत्र, कांठमांडू, 1 नवम्बर 2015
21. वर्ल्ड फोकस, नई दिल्ली, नवम्बर 2018